

संशोधन

सूक्ष्म आ कार्यवाही मंत्र परिशिष्टतः प्राप्त

संज्ञा

मु. सं.

दिनांक... 09/07/2025

आज पत्रावली पेश हुई। वकील...
पत्र उपस्थित। पी.ओ. आदेश बाहर पेश है।
पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक...
को पेश हो।

ॐ

रीडर

09/07/25

आज पत्रावली पेश हुई
वकील प्राप्ति व प्राप्ति सूत्र को रक्त-रक्त
कर बाद-बाद आवाज दिव्यांगी गयी
किन्तु कोई उपाय नहीं आया। ऐसी
दिव्यांगी में यह प्रतीत होता है कि प्राप्ति
अपने प्राप्ति के प्रति गंभीर नहीं है।
आदि प्राप्ति को चलाया नहीं जा रहा है।
अतः प्राप्ति का प्राप्ति फल
अर्थात् निषेधाज्ञा अदालत चैरवी व अदालत
द्वारा में स्थापित किया जाता है। पत्रावली
फैलल शुभल होकर मूल वाद चल रहा
रहे।

सादर सुभाष गजरा

MainsAr

उप-अधीकारी
महया (दोसा)